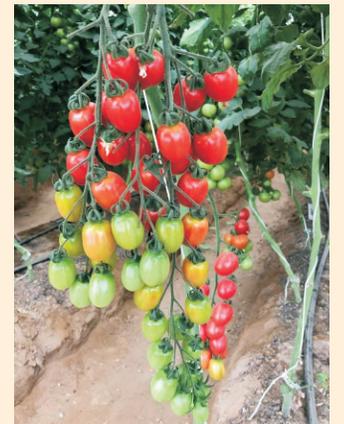


- ❖ लोकप्रिय सब्जी, वर्ष भर मांग
- ❖ खुले क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं की वजह से उत्पादन पर विपरीत प्रभाव
- ❖ राजस्थान में उत्पादकता काफी कम (4.1 टन प्रति हेक्टेयर, देश का औसत 24 टन प्रति हेक्टेयर)
- ❖ खुले क्षेत्र में 1 कि. ग्रा. उत्पादन हेतु अधिक (300 लीटर) पानी की आवश्यकता



संरक्षित खेती- लाभ

- ❖ संरक्षित संरचनाएं अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करती हैं और इस प्रकार वर्षभर की खेती संभव हो पाती है।
- ❖ बिन मौसम (ऑफ-सीजन) उत्पादन के कारण अधिक लाभ, फल उपज और गुणवत्ता में वृद्धि।
- ❖ भूमि, जल और पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग।
- ❖ फल-उत्पादन की दृष्टि से बेहतर संरचना का क्रम: फैन-पैड पॉलीहाउस इसके बाद प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस, कीट रोधी नेट हाउस तथा छायादार नेट हाउस।
- ❖ उपयुक्त संकर किस्में: एनएस-4266, अभिरंग, बीएस-600
- ❖ उपज 10 से 18 कि.ग्रा. प्रति वर्ग मीटर (5-6 माह की फसल अवधि: सितंबर से मार्च या जनवरी से मई)
- ❖ पॉलीहाउस में 45 से 50 लीटर पानी से 1 कि.ग्रा. फल उत्पादन हो सकता है
- ❖ पौधों के झुकाव (लोवरिंग), द्वि-शाखीय तने (डबल स्टेम) ट्रेनिंग, और कठोर मूलवृंत पर ग्राफिटिंग (कलम) से टमाटर की पैदावार को और बढ़ा सकते हैं।



चेरी टमाटर

योगदान: प्रदीप कुमार

भारत सरकार-केंद्रीय शहजक क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर 342 003 (भारत)

www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021